निष्पादन बजट वर्ष 2012-13

विभाग- सहकारिता विभाग

विभागाध्यक्ष- आयुक्त (सहकारिता) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़

राशि हजार ` में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	आयोजना राशियां 2012-13	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	वास्तविक उपलब्धियाँ		टिप्पणियां
					भौतिक	वित्तीय	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	केन्द्रीय सहकारी बैंकों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	केन्द्रीय सहकारी बैंकों को अंशपूंजी के आधार को सुदृढ़ करना ।	20000	चार जिला सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी जिससे बैंक को रियायती दर पर ऋण प्राप्त करने की पात्रता आ जावेगी ।	3 बैंक	20000	
2	प्राथमिक कृषि साख/कृषक सेवा में बड़े पैमाने पर बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	राज्य शासन द्वारा पैक्स/लैम्प्स की अंशपूंजी में वृद्धि करना	30000	600 कृषि साख समितियों के वर्तमान अंशपूंजी में वृद्धि होगी जिससे उनकी ऋण ग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी ।	462 समितियां	24790	राज्य शासन से शेष राशि की स्वीकृति अप्राप्त
3	जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों की दीर्घावधि ऋण की आवश्यकताओं को पूर्ति के लिए उनकी अंशपूंजी में वृद्धि करना	11000	जिला विकास बैंकों की उधार क्षमता में वृद्धि हेतु बैंको की अंशपूजी में राज्य सरकार धनवेष्ठन करता है	0	0	राज्य शासन से स्वीकृति प्राप्त न होने के कारण
4	राज्य सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंक द्वारा निर्गमित ऋण पत्रों का क्रय	कृषि उत्पादन के क्षेत्र में दीर्घावधि साख की आवश्यकता की पूर्ति हेतु ऋण पत्रों का क्रय	500	राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण बैंक द्वारा निर्गमित ऋण पत्रों का क्रय हेतु ऋण उपलब्ध कराया जाता है ताकि बैंक को नाबार्ड से ऋण प्राप्त हो एवं कारोबार में वृद्धि हो ।	0	0	राज्य शासन से स्वीकृति प्राप्त न होने के कारण
5	सहकारी शक्कर कारखाना	शक्कर कारखाना हेतु कार्यशील पूंजी ऋण।	425000	3 सहकारी शक्कर कारखाना को गन्ना पेराई हेतु कार्यशील पूंजी ऋण।	3 शककर कारखाना	610000	अनुपूरक अनुमान में राशि प्राप्त होने के कारण वित्तीय उपलब्धि अधिक दर्शित हो रही है ।
6	कृषि साख स्थिरीकरण निधि को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सहकारी बैंक को ऋण	आपदा के समय ऋण भुगतान में राहत प्रदान करने के लिए कृषकों के अल्पावधि ऋणों को मध्यावधि ऋणों में परिवर्तन के कारण बैंकों को 15 प्रतिशत राशि ऋण के रूप में दी जाती है ।	500	आपदा की स्थिति में ऋण का स्वरूप परिवर्तन होने पर लगभग 2.50 लाख सदस्य लाभांवित होंगे ।	0	0	छ.ग. राज्य बैंक को राशि की आवश्यकता न होने के कारण

निष्पादन बजट वर्ष 2012-13

विभाग- सहकारिता विभाग

विभागाध्यक्ष- आयुक्त (सहकारिता) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़

राशि हजार ` में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	आयोजना राशियां 2012-13	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	वास्तविक उपलब्धियाँ		टिप्पणियां
					भौतिक	वित्तीय	
1	2	3	4	5	6	7	8
7	विपणन सहकारी समितियों को गोदाम निर्माण हेतु आर्थिक सहायता/अनुदान एवं धनवेष्ठन	विपणन सहकारी समितियों को गोदामों के निर्माण हेतु अनुदान एवं धनवेष्ठन के रूप में सहायता प्रदान करना	3000	विपणन सहकारी समितियों की भण्डारण क्षमता में 650 मे.टन की वृद्धि होगी ।	3 समितियां	2426	
8	कृषक ऋण ब्याज दर युक्तियुक्त करण हेतु अनुदान	एक प्रतिशत ब्याज पर कृषकों को कृषि ऋण उपलब्ध कराने से बैंकों को होने वाली हानि की प्रतिपूर्ति हेतु सहायता ।	1200000	वर्ष 2012-13 में लगभग 900000 कृषक सदस्यों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जावेगा ।	900000 कृषक	741854	केन्द्र शासन से 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्राप्त होने के कारण राज्य आयोजना मद में राशि की आवश्यकता कम हुई ।